खबर संक्षेप

ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका एक्सप्रेस को मिल रहा है बेहतर रिस्पांस

शहडोल। जिला प्रशासन द्वारा स्व सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को नई पहचान देने, बेहतर बाजार एवं स्थायी आजीविका का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्व सहायता समूहों द्वारा स्थानीय स्तर पर तैयार की गई सामग्री के विक्रय हेतु ग्रामीण आजीविका एक्सप्रेस की शुरूआत की गई है। जिले के सभी विकासखण्डों में आजीविका एक्सप्रेस के माध्यम से स्व सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पाद को ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजारों तथा ऐसे स्थान जहां बड़ी संख्या में लोग एकत्र होते हैं, को चिन्हित कर शनिवार एवं रविवार के दिन उत्पादों के विक्रय की व्यवस्था शुरू की गई है। इस व्यवस्था से स्वदेशी अभियान को भी गति मिल रही है। परियोजना समन्वयक ग्रामीण आजीविका मिशन अजय सिंह ने बताया कि जिले के विभिन्न विकासखण्डों में आजीविका एक्सप्रेस के माध्यम से 20260 रूपए की सामग्री का विक्रय स्व सहायता समूहों द्वारा किया गया है।

सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाएँ नववर्षः पुलिस अधीक्षक

शहडोल। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि नववर्ष का उत्सव सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं जिम्मेदारी के साथ मनाएँ। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतें तथा स्वयं जागरूक रहते हुए दूसरों को भी जागरूक करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय घटना की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने अथवा डायल-112 पर दें। साथ ही, यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा है कि नशे की हालत में वाहन नहीं चलाएं, दो पहिया वाहन में हेलमेट पहन कर ही यात्रा करें। चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करें। ऐसी जगहों पर वाहन नहीं खड़ा करें जिससे यातायात प्रभावित हो। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालो के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। साथ ही ऐसे कोई कार्य न करें जिससे दूसरे व्यक्ति को कष्ट पहुंचे।

राष्ट्रीय बास्केटबाल प्रतियोगिता के लिए शुभांशी अग्रवाल चयनित

शहडोल। बास्केटबाल कोच के.के. श्रीवास्तव ने बताया कि 11 जनवरी से 15 जनवरी तक छत्तीसगढ़ प्रदेश के राजनादगांव में आयोजित होने वाली 17 वर्षीय राष्ट्रीय बास्केटबाल प्रतियोगिता के लिए शहडोल की रहने वाली शुभांशी अग्रवाल का चयन मध्यप्रदेश की टीम में किया गया है। उन्होंने बताया कि चयनित खिलाड़ी शुभांशी अग्रवाल 4 जनवरी से 7 जनवरी तक गुना में आयोजित होने वाले फ्री नेशनल कोचिंग कैंप में भाग लेंगी। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर माह में गुना में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शहडोल संभाग की टीम ने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था। इसी क्वार्टर फाइनल मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कुमारी शुभांशी अग्रवाल का चयन मध्य प्रदेश 17 वर्ष बालिका टीम में किया गया।

हुड़दंगियों पर रहेगी पैनी नजर या प्रशासन फिर साबित होगा लाचार

स्वागत 2026: शहडोल में आस्था और पिकनिक का महाकुंभ

शहडोल। कैलेंडर के पन्ने पलटने के साथ ही वर्ष 2025 अब इतिहास के झरोखों में समाने को तैयार है और नई उम्मीदों का सवेरा 2026 दस्तक दे रहा है। नववर्ष के स्वागत के लिए शहडोल संभाग पूरी तरह से थिरकने को बेताब है। विराट मंदिर की ऐतिहासिक दीवारों से लेकर जोहिला की कलकल करती लहरों तक, जिले के कोने-कोने में उत्साह का सैलाब उमडऩे वाला है, लेकिन इस उत्साह के बीच सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा और व्यवस्था का है। क्या प्रशासन केवल कागजी तैयारी तक सीमित रहेगा या धरातल पर भी चाक-चौबंद सुरक्षा दिखेगी।

मंदिरों में उमड़ेगा विश्वास का सैलाब

नए साल की शुरुआत मंगलमयी हो, इसके लिए जिले के प्रसिद्ध मंदिरों में भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया है। शहडोल का ऐतिहासिक विराट मंदिर इस बार भी केंद्र बिंदु रहने वाला है। यहां की प्राचीन स्थापत्य कला और धार्मिक महत्ता युवाओं और बुजुर्गों दोनों को समान रूप से आकर्षित कर रही है। विरासनी देवी मंदिर, ज्वालामुखी माता, कंकाली देवी और बूढ़ी माई मंदिरों को फूलों और आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। आधुनिकता की दौड़ के बीच सुखद पहलू यह है कि युवा पीढ़ी पिकनिक से ज्यादा मंदिरों में मत्था टेकने को तरजीह दे रही है। कल्याणपुर हनुमान मंदिर और भठिया देवी मंदिर में भी भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है।

पिकनिक स्पॉट्स पर खतरे की घंटी

प्रकृति की गोद में बसे शहडोल के पिकनिक स्पॉट जितने खूबसूरत हैं, सुरक्षा के लिहाज से उतने ही संवेदनशील भी। जोहिला फॉल, छीर सागर और तुम्मी जै से स्थानों पर सेल्फी के चक्कर में होने वाले हादसों का इतिहास रहा है। पिकनिक स्थलों पर शराब पीकर हुड़दंग करने वाले तत्वों पर नकेल कसना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होगी। क्या प्रशासन ने इन संवेदनशील जलप्रपातों और ऊंची पहाडिय़ों पर होमगार्ड या सुरक्षा बल की तैनाती की है। अधिकांश पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा के लिए न तो पुख्ता बैरिकेडिंग है और न ही चेतावनी बोर्ड, ऐसे में हैप्पी न्यू ईयर का जश्न कहीं मातम में न बदल जाए, इसका डर बना रहता है।

यातायात व्यवस्थाः जाम में फंसी खुशियां!

शहडोल से सटे पर्यटन केंद्रों की ओर जाने वाली सडक़ें संकरी हैं। हर साल नववर्ष पर वाहनों के दबाव के कारण मीलों लंबा जाम लगता है। परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस की सक्रियता अब तक केवल शहर के मुख्य चौराहों तक सीमित दिखी है। ग्रामीण अंचलों के पिकनिक स्पॉट्स तक पहुंचने वाले रास्तों पर यातायात को सुचारू रखना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा। पर्यटन विभाग और प्रशासन हर साल भारी भीड़ की बात तो करता है, लेकिन इन स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं (शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा और बिजली) का आज भी टोटा है।

जिम्मेदारी के साथ मनाएं जश्न

प्रशासन की मुस्तैदी अपनी जगह है, लेकिन आम जनता को भी यह समझना होगा कि जश्न और जंगली व्यवहार में अंतर होता है। धार्मिक स्थलों की गरिमा बनाए रखना और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों पर कचरा न फैलाना हर नागरिक का

कर्तव्य है। शहडोल में नववर्ष का स्वागत पर्यटन और अध्यात्म के अद्भुत संगम के रूप में होने जा रहा है। जोहिला की लहरें और मंदिरों के घंटे एक साथ 2026 का अभिनंदन करेंगे। अब यह जिला प्रशासन, पुलिस और प्रबंधन पर निर्भर है कि वे इस उत्सव को कितना सुरक्षित और व्यवस्थित बना पाते हैं।

एसईसीएल सोहागपुर में 'सुरक्षा' के नाम पर बड़ा खेल

निर्दोष को फंसाने और भ्रष्टाचार को दबाने का सनसनीखेज खुलासा

शहडोल। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) सोहागपुर एरिया इन दिनों कोयला चोरी और सुरक्ष्ाा चूक के लिए नहीं, बल्कि महकमे के भीतर चल रहे एक बड़े कन्फर्म भ्रष्टाचार और षड्यंत्र के खेल को लेकर सुर्खियों में है। मामला एरिया सुरक्षा अधिकारी और उनके चहेते सुरक्षा कर्मियों की मिलीभगत का है, जहां न केवल सरकारी संपत्ति की खुर्द-बुर्द की गई, बल्कि अपनी गर्दन बचाने के लिए एक ईमानदार सुरक्षा प्रहरी को बलि का बकरा बना दिया गया।

य है पूरा मामला

मामला 25 सितंबर 2025 से शुरू होता है। प्राप्त दस्तावेजों और शिकायतों के अनुसार खैरहा माइंस का एक ट्रक क्रमांक एमपी 65जीए 1755 रीजनल वर्कशॉप से कीमती सेफ्टी आइटम जैसे रूफ बोल्ट, वेल्डिंग बेयरिंग प्लेट और डब्ल्यू-स्ट्रैप लेकर निकलता है। उस समय गेट पर सुरक्षा प्रहरी अंजू चक्रधारी तैनात थीं। आरोप है कि ट्रक चालक रियाज ने महिला सुरक्षा कर्मी को झांसा दिया और बिना गेट पास के ही कीमती सामान बाहर निकाल लिया। हैरत की बात यह है कि इसी ट्रक के साथ 27 सितंबर को फिर खेल होता है। दोबारा वही ड्राइवर आता है और पुराने इंडेंट का बहाना बनाकर सामान पास करवाता है। इस बार ड्यूटी पर झुरूँ सिंह तैनात थे, जिन्होंने पूरी ईमानदारी से रजिस्टर में एंट्री की, लेकिन असली खेल तब शुरू हुआ जब 15 दिसंबर को विजिलेंस की टीम जांच करने पहुंची।

गायब हुए रजिस्टर के पन्ने

जब विजिलेंस की टीम ने वर्कशॉप गेट का रजिस्टर चेक किया, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। रजिस्टर से 25 और 27 सितंबर के वे पन्ने ही नदारद थे, जिनमें ट्रक की आवाजाही का विवरण दर्ज था। सूत्रों का दावा है कि एरिया सुरक्षा अधिकारी ने अपने चहेतों को बचाने के लिए खुद इस अदृश्य हाथ की भूमिका निभाई और साक्ष्य मिटाने के लिए रजिस्टर के पन्ने फड़वा दिए। विडंबना देखिए, जिस महिला सुरक्षा प्रहरी अंजू चक्रधारी ने लापरवाही बरती और ट्रक को बिना जांचे खाली बताकर जाने दिया, उसे एरिया सुरक्षा अधिकारी की मेहरबानी से क्लीन चिट दे दी गई। वहीं दूसरी ओर, रजिस्टर में ईमानदारी से एंट्री करने वाले झुरूँ सिंह को आरोपी बनाकर पुलिसिया कार्रवाई के जाल में फंसा दिया गया।

कोयला चोरों को संरक्षण

शिकायतकर्ता अशोक चतुर्वेदी ने सीधे तौर पर एरिया सुरक्षा अधिकारी पर हमला बोलते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि सुरक्षा अधिकारी पिछले 3 वर्षों से अपने मूल पद (माइनिंग ऑफिसर) पर न रहकर सुरक्षा विभाग का प्रभार संभाले हुए हैं और इस पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि क्षेत्र में संचालित कई अवैध ईंट भट्टों को कथित तौर पर सुरक्षा अधिकारी का संरक्षण प्राप्त है। इन भट्टों में धड़ल्ले से चोरी का कोयला खपाया जा रहा है, लेकिन रक्षक बने भक्षकों की आंखों पर सुविधा शुल्क की पट्टी बंधी हुई है। यही कारण है कि आज तक इन अवैध गतिविधियों पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई।

भ्रष्टाचार के सिंडिकेट ने एसईसीएल को घेरा

यह मामला सिर्फ एक ट्रक चोरी या एक रजिस्टर के पन्ने गायब होने का नहीं है। यह एसईसीएल के भीतर पनप रहे उस खतरनाक सिंडिकेट की ओर इशारा करता है, जो ईमानदार कर्मचारियों को कुचलने और भ्रष्टों को पालने का काम कर रहा है। सुरक्षा प्रहरी अंजू चक्रधारी ने स्वयं अमलाई थाने में दिए आवेदन में स्वीकार किया है कि उनसे लापरवाही हुई, फिर भी उन्हें मदद मिलना और झुरूँ सिंह पर गाज गिरना, महकमे की कार्यप्रणाली पर कालिख पोतने जैसा है।

सीएमडी और मुख्य सतर्कता अधिकारी से न्याय की गुहार

इस पूरे प्रकरण की शिकायत अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और मुख्य सतर्कता अधिकारी, एसईसीएल बिलासपुर को भेजी गई है। मांग की गई है कि गायब हुए रजिस्टर के पन्नों की उच्चस्तरीय जांच हो। एरिया सुरक्षा अधिकारी के कार्यकाल और अवैध ईंट भट्टों से उनके कथित संबंधों की स्वतंत्र जांच हो। निर्दोष झुरूँ सिंह को न्याय मिले और दोषी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। क्या एसईसीएल प्रबंधन अपने भीतर बैठे इन दीमकों पर कार्रवाई करेगा या फिर कागज की लीपापोती कर भ्रष्टाचार के इस बड़े मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

वाहेगुरु की गूंज से भक्तिमय हुआ शहडोल

दशमेश पिता के प्रकाश पर्व पर निकली भव्य शोभायात्रा

शहडोल। सिखों के दसवें गुरु, सरबंस दानी श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के पावन उपलक्ष्य में मंगलवार को शहडोल नगर श्रद्धा और उल्लास के रंगों में सराबोर नजर आया। सिख समाज द्वारा आयोजित भव्य नगर कीर्तन (शोभायात्रा) में भक्ति, शक्ति और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयघोषों के साथ जब गुरु ग्रंथ साहिब की छत्रछाया में शोभायात्रा निकली, तो पूरा शहर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा।

पुष्पवर्षा से हुआ भव्य अभिनंदन

शोभायात्रा का नगर के प्रमुख मार्गों पर भव्य स्वागत किया गया। शहर के हृदय स्थल न्यू गांधी चौक पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा और विधायक श्रीमती मनीषा सिंह के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने पंच प्यारों और गुरु महाराज की पालकी पर पुष्पवर्षा कर भावभीनी अगवानी की। इस दौरान पूरा मार्ग फूलों की पंखुडिय़ों से पट गया।

गुरुद्वारे में टेका मत्था, लिया आशीर्वाद

भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने घरौला मोहल्ला स्थित गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर मत्था टेका और पूजा-अर्चना की। उन्होंने गुरुद्वारे के पंचों का माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया। विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने गुरु साहब के बलिदान और सिद्धांतों को याद करते हुए कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन मानवता और धर्म की रक्षा के लिए एक महान प्रेरणा पुंज है।

भक्ति और भाईचारे का अनूठा संगम

शोभायात्रा में गूंजते शबद-कीर्तन और पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालुओं ने सभी का मन मोह लिया। इस गरिमामयी अवसर पर मनोज गुप्ता, संतोष लोहानी, भूपेंद्र मिश्रा, सिल्लू रजक, गगनदीप सिंह जॉली सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन तक नगर में धार्मिक उल्लास और आपसी भाईचारे की अविरल धारा बहती रही।

कांग्रेस सेवादल के संभागीय सम्मेलन में गूंजा एकता और अखंडता का संदेश

शहडोल। स्थानीय कांग्रेस भवन में कांग्रेस सेवादल का भव्य संभागीय सम्मेलन संपन्न हुआ। प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव के नेतृत्व एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में संगठन की मजबूती और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में सेवादल यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानंद तिवारी और पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

गांधी चौक से कांग्रेस भवन तक निकली पदयात्रा

सम्मेलन का शुभारंभ गांधी चौक पर राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शहर में पदयात्रा निकाली। इस पदयात्रा के माध्यम से देश में एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बनता था, जो अनुशासन के साथ कांग्रेस भवन तक पहुंचे।

संगठन की रीढ़ है सेवादल

मुख्य वक्ताओं ने सेवादल के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 1923 में डॉ. एन.एस. हार्डीकर द्वारा स्थापित यह संगठन कांग्रेस की अनुशासित सेना है। वक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में सत्याग्रह और जन-जागरूकता में सेवादल की भूमिका निर्णायक रही है। आज भी आपदा प्रबंधन और जमीनी स्तर पर सेवा कार्यों के जरिए सेवादल जनता के बीच सक्रिय है। सेवादल का मुख्य लक्ष्य कांग्रेस की रीति-नीति और गांधीवादी विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाना है।

दिग्गजों की रही उपस्थिति

सम्मेलन में पूर्व विधायक सुनील सराफ, रामपाल सिंह, अनूपपुर जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान, उमरिया जिलाध्यक्ष विजय कोल सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। वक्ताओं ने जोर दिया कि सेवादल केवल एक विंग नहीं, बल्कि कांग्रेस के संस्कारों और सेवा भाव की रीढ़ है। इस अवसर पर जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, शिव शंकर शुक्ला, डॉ. एहसान अली, सावित्री त्रिपाठी सहित शहडोल, उमरिया और अनूपपुर जिलों के सैकड़ों अनुशासित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने माँ बिरसिनी माता मंदिर में सपरिवार की पूजा अर्चना

प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना

उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बिरसिंहपुर पाली स्थित मां बिरसिनी माता मंदिर में सपरिवार पूजा अर्चना की तथा प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की माता रानी से कामना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर का अवलोकन भी किया।अवलोकन के दौरान मुख्यमंत्री जी ने मंदिर के इतिहास के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विधायक मानपुर मीना सिंहएकमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ताए डीआईजी शहडोल रेंज सविता सुहानेए सीईओ जिला पंचायत अभय सिंहएप्रभारी एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, तहसीलदार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे ।

निशाने पर राष्ट्रीय गौरव

उमरिया के रौनक ने दिल्ली में गाड़ा सफलता का झंडा, बने नेशनल प्लेयर

शहडोल

जब हौसले फौलादी हों और एकाग्रता अर्जुन की तरह हो, तो सफलता को कदम चूमने ही पड़ते हैं। देश की राजधानी दिल्ली की प्रतिष्ठित और अंतरराष्ट्रीय सुविधाओं से लैस डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में उमरिया के एक जांबाज लाल ने अपनी पिस्टल से वह निशाना साधा है, जिसकी गूंज अब पूरे मध्य प्रदेश में सुनाई दे रही है। 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में उमरिया के रौनक आहूजा ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए नेशनल शूटिंग प्लेयर का आधिकारिक खिताब अपने नाम कर लिया है।

दिग्गजों के बीच बनाई पहचान

देशभर के नामी-गिरामी निशानेबाजों के बीच दिल्ली के तुगलकाबाद स्थित ऐतिहासिक रेंज पर रौनक आहूजा आत्मज विनोद आहूजा ने 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग (सब-यूथ श्रेणी) में जो प्रदर्शन किया, उसने खेल विशेषज्ञों को भी दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। रौनक की हर गोली ने न केवल टारगेट को भेदा, बल्कि उमरिया जैसे छोटे शहर की खेल संभावनाओं को राष्ट्रीय पटल पर अंकित कर दिया। यह उपलब्धि महज एक संयोग नहीं, बल्कि कडक़ड़ाती ठंड और विपरीत परिस्थितियों में की गई उनकी उस कठोर तपस्या का परिणाम है, जो उन्होंने शूटिंग रेंज की शांत गलियों में बिताई है।

अंतरराष्ट्रीय राह हुई आसान

राष्ट्रीय खिलाड़ी का तमगा हासिल करना कोई मामूली बात नहीं है। इस उपलब्धि के साथ ही रौनक के लिए अब भारतीय नेशनल टीम और भविष्य में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के द्वार पूरी तरह खुल गए हैं। खेल प्रेमियों और विशेषज्ञों का मानना है कि रौनक की तकनीक और उनकी स्थिर मानसिकता उन्हें आने वाले समय में ओलंपिक जैसे वैश्विक मंचों पर तिरंगा लहराने का प्रबल दावेदार बनाती है। उनकी यह जीत यह भी स्पष्ट संदेश देती है कि भारत में अब खेल का मतलब सिर्फ क्रिकेट नहीं है; शूटिंग जैसे तकनीकी और चुनौतीपूर्ण खेलों में भी छोटे शहरों की प्रतिभाएं देश का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं।

पुराना पड़ाव में उत्सव

रौनक की इस ऐतिहासिक जीत की खबर जैसे ही उमरिया के पुराना पड़ाव स्थित उनके निवास पर पहुँची, पूरा इलाका खुशियों से सराबोर हो गया। सिंधी समाज के अध्यक्ष सहित नगर के गणमान्य नागरिकों ने इसे उमरिया के इतिहास का एक स्वर्ण अक्षरी अध्याय बताया। आतिशबाजी और मिठाइयों के साथ रौनक की सफलता का जश्न मनाया गया। लोगों का कहना है कि रौनक ने यह साबित कर दिया कि यदि प्रतिभा को सही मार्गदर्शन और मेहनत का साथ मिले, तो संसाधनों की कमी कभी बाधा नहीं बनती।

संघर्ष से सफलता तक की दास्तान

रौनक आहूजा की इस यात्रा में उनके पिता विनोद आहूजा का समर्पण भी वंदनीय है। एक खिलाड़ी के पीछे उसके परिवार का जो धैर्य होता है, रौनक ने उसे अपनी सफलता से सार्थक कर दिया है। सब-यूथ श्रेणी में उनकी सटीक निशानेबाजी यह दर्शाती है कि आने वाले समय में वे सीनियर वर्ग में भी प्रदेश का नाम रौशन करेंगे। रौनक आहूजा की यह जीत केवल उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं है, बल्कि यह उमरिया के उन हजारों युवाओं की जीत है जो अपनी आँखों में बड़े सपने पालते हैं। प्रशासन को चाहिए कि इस नेशनल स्टार का भव्य स्वागत हो और उनकी ट्रेनिंग के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की जाए, ताकि ओलंपिक का सपना केवल सपना न रह जाए।

वाटरशेड परियोजना क्षेत्र के किसानों को टमाटर की उन्नत खेती की जानकारी देने कराया गया एक्सपोजर विजिट

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटरशेड के जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ में संचालित तीन परियोजनाओं के 27 ग्राम पंचायत के 200 टमाटर उत्पादक हितग्राही किसानो को जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत पोडी में टमाटर की उन्नत खेती के संबंध में एक्सपोजर विजिट कराया गया। इस दौरान कृषकों को टमाटर की उन्नत खेती के संबंध में आवश्यक जानकारी विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की गई। इस दौरान कृषक उत्पादक संगठन के बोर्ड आफ डायरेक्टर, उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक सुभाष श्रीवास्तव, वाटर शेड परियोजना अधिकारी राजेंद्र कोसरिया, रामनाथ कोरी, विकासखंड समन्वयक प्रशांत वर्मा, विवेक ओझा, चंपालाल पवार, जनपद सदस्य लक्ष्मी मरावी एवं 27 ग्राम पंचायतो के सरपंच व हितग्राही उपस्थित रहे।

कृषक उदयभान ने कृषि अभियांत्रिकी विभाग अनूपपुर से प्राप्त 1 लाख 20 हजार रुपये के अनुदान का लाभ उठाकर कुल 3 लाख रुपये लागत की सुपर सीडर यंत्र को अपनाया। जिसके माध्यम से उन्होंने रबी सीजन में कुल 220 घंटे कृषि कार्य किया। जिससे उन्हें लगभग 4 लाख 30 हजार रुपये की आय अर्जित हुई। कृषक उदयभान की यह कहानी बताती है कि जब किसान परंपरा और तकनीक का संतुलन बनाता है, तब खुशहाली स्वयं उसके द्वार पर दस्तक देती है। यह केवल एक किसान की सफलता नहीं, बल्कि आधुनिक भारत की कृषि क्रांति की जीवंत तस्वीर है। कृषक उदयभान ने जिले के अन्य कृषकों से भी खेतों में नरवाई न जलाने और आधुनिक यंत्रों को अपनाने का आग्रह किया है।

9 साल, 70 किलोमीटर और अंतहीन इंतजार

एनएच-43 निर्माण एजेंसी की मनमानी या प्रशासन का सरेंडर

उमरिया

विकास के दावों की हवा निकालनी हो तो उमरिया जिले से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-43 का दीदार कर लीजिए। प्रदेश में जहां एक ओर आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के कीर्तिमान रचे जा रहे हैं, वहीं उमरिया में विकास कछुआ चाल को भी मात दे रहा है। गुजरता साल 2025 उम्मीदों की बलि चढ़ गया और अब सवाल यह है कि क्या आने वाला साल 2026 जिलावासियों के लिए धूल और गड्ढों से मुक्ति का पैगाम लाएगा या फिर वही ढाक के तीन पात?

तिरुपति बिल्डकॉन की मनमानी

हैरानी की बात है कि वर्ष 2016 के आसपास शुरू हुआ उमरिया-शहडोल मार्ग का निर्माण कार्य 9 साल बाद भी अधूरा है। महज 70 किलोमीटर की यह सडक़ जिला विकास के माथे पर कलंक बन गई है। गौर करने वाली बात यह है कि इसी प्रोजेक्ट के तहत कटनी से उमरिया और अनूपपुर से शहडोल तक का कार्य अन्य निर्माण एजेंसियों ने समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया, लेकिन उमरिया जिले के हिस्से में आने वाली निर्माण एजेंसी तिरुपति बिल्डकॉन के अडिय़ल और लापरवाह रवैये ने इस मार्ग को सपनों की सडक़ के बजाय हादसों का हाईवे बना दिया है। क्या प्रशासन की चुप्पी इस कंपनी को संरक्षण दे रही है?

कागजों में सिमटा रोड मैप

जिले की सडक़ों पर मौत का तांडव जारी है, लेकिन परिवहन विभाग गहरी नींद में सोया है। जिला परिवहन अधिकारी रमा दुबे की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। जिले में 60-70 बसें नियमों को ताक पर रखकर दौड़ रही हैं। प्राइवेट चार पहिया वाहनों में क्षमता से दुगने यात्री ठूंसे जा रहे हैं। स्कूल बसों में क्षमता से अधिक बच्चों का बैठना आम बात हो गई है, जिसे रोकने वाला कोई नहीं है। ऑटो में 4 की जगह 10 सवारी बैठाना यहां सामान्य माना जाता है। परिवहन विभाग की इस लाचारी का खामियाजा आम जनता अपनी जान देकर चुका रही है।

भूलभुलैया बना नेशनल हाईवे

निर्माण एजेंसी और विभाग की लापरवाही का आलम यह है कि हाईवे पर कहीं भी मानक सांकेतिक बोर्ड नजर नहीं आते। शहडोल से उमरिया के बीच सफर करने वाले बाहरी यात्री अक्सर भ्रमित होकर रास्ता भटक जाते हैं। खतरनाक मोड़ों और गांवों के नाम के बोर्ड न होने के कारण तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर हादसों का शिकार हो रहे हैं। क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी के बाद ही इन मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान देगा?

क्या 2026 में मिलेगा न्याय

9 साल से अधूरे निर्माण पर जिला प्रशासन ने अब तक एजेंसी पर कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं की, परिवहन विभाग ने स्पीड कंट्रोल और ओवरलोडिंग रोकने के लिए कोई ठोस योजना क्यों नहीं बनाई, क्या टी.बी.सी.एल. प्राइवेट लिमिटेड की मनमानी के आगे पूरा सरकारी तंत्र नतमस्तक है। उमरिया की जनता अब खोखले आश्वासनों से ऊब चुकी है। धूल, गड्ढे और हादसों के बीच कटते सफर ने लोगों में भारी रोष पैदा कर दिया है। यदि नए साल 2026 में भी जिला प्रशासन और परिवहन विभाग ने अपनी कार्यशैली नहीं बदली, तो यह सडक़ केवल विकास में अवरोधक ही नहीं, बल्कि जन-आक्रोश का केंद्र भी बनेगी।

आउटसोर्सिंग के नाम पर इनसोर्सिंग का खेल

अपनों को रेवड़ियां बांटने और करोड़ों के लेन-देन का संगीन आरोप

उमरिया

जिले का स्वास्थ्य विभाग इन दिनों इलाज के लिए नहीं, बल्कि भर्ती के व्यापार के लिए चर्चाओं में है। जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में आउटसोर्स के माध्यम से ग्रुप-डी के पदों पर की गई भर्ती अब बड़े घोटाले की शक्ल अख्तियार कर चुकी है। आरोप है कि भर्ती की आड़ में विभाग के सफेदपोश जिम्मेदारों ने नियमों को ताक पर रखकर अपने करीबियों को पिछले दरवाजे से एंट्री दी है। इस पूरे खेल में पारदर्शिता की बलि चढ़ा दी गई है और बेरोजगारों की उम्मीदों पर रुपये के कथित लेन-देन की कालिख पोत दी गई है।

गुप्त प्रक्रिया और बंद कमरों का सौदा

खबर की गहराई में उतरें तो पता चलता है कि 25 नवंबर को संजीवनी क्लीनिक सिंगलटोला में जो इंटरव्यू आयोजित किए गए थे, वे महज एक औपचारिकता (आईवॉश) थे। अभ्यर्थियों का सीधा आरोप है कि जिन पदों के लिए वे कतारों में खड़े रहे, उनका सौदा पहले ही बंद कमरों में हो चुका था। ताज्जुब की बात यह है कि चयन प्रक्रिया के एक माह बीत जाने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग ने अब तक मेरिट लिस्ट सार्वजनिक नहीं की है। सवाल खड़ा होता है कि आखिर वह कौन सा डर है, जो विभाग को चयनित सूची जारी करने से रोक रहा है? क्या यह डर अपनों को फायदा पहुंचाने और अयोग्य लोगों को खपाने का है?

मल्टीटास्किंग के नाम पर महाठगी

भर्ती में पारदर्शिता के अभाव का सबसे बड़ा उदाहरण मल्टीटास्किंग पदों का मायाजाल है। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्हें मल्टीटास्किंग के नाम पर भ्रमित किया गया। अंदरूनी सूत्रों की मानें तो लाखों-करोड़ों रुपये की सौदेबाजी कर उन लोगों को ज्वाइनिंग लेटर थमा दिए गए हैं, जिन्होंने कभी कायदे से इंटरव्यू का सामना भी नहीं किया। यह सीधे तौर पर उन प्रतिभावान और जरूरतमंद युवाओं के साथ धोखा है, जो सरकारी सिस्टम में निष्पक्षता की उम्मीद लगाए बैठे थे।

अपनों को रेवड़ियां, गरीबों को धक्के

स्वास्थ्य विभाग के कुछ तथाकथित जिम्मेदार अधिकारियों ने आउटसोर्सिंग एजेंसी के साथ मिलकर एक ऐसा सिंडिकेट बना लिया है, जिसका काम सिर्फ अपने सगे-संबंधियों और रसूखदारों के चहेतों को भर्ती करना रह गया है। जानकारों का कहना है कि यदि वर्तमान में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के पारिवारिक संबंधों की जांच की जाए, तो विभाग के ही कई बड़े नामों के तार उनसे जुड़े मिलेंगे। यह अपनों को उपकृत करने की नीति ने जिले के गरीब और योग्य बेरोजगारों को सडक़ों पर ला खड़ा किया है।

जांच के नाम पर लीपापोती या कार्रवाई?

मंगलवार को जब आक्रोशित अभ्यर्थी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और अपनी पीड़ा बताई, तब जाकर प्रशासन की नींद टूटी। अपर कलेक्टर प्रमोद सेन गुप्ता ने शिकायतों की जांच और कार्रवाई की बात तो कही है, लेकिन क्या यह जांच वाकई उन मगरमच्छों तक पहुंच पाएगी, जो इस भर्ती घोटाले के असली सूत्रधार हैं? अभ्यर्थियों का स्पष्ट कहना है कि यदि पूरी भर्ती प्रक्रिया की सूक्ष्मता से जांच नहीं हुई और दोषियों पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो यह आंदोलन उग्र रूप लेगा।

सिस्टम की साख दांव पर

स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्स भर्ती का यह विवाद अब केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि एक बड़ा भ्रष्टाचार का मॉडल बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश के दावों के बीच, जिले के अधिकारी जिस तरह अपनी जेबें भरने और अपनों को उपकृत करने में जुटे हैं, वह सिस्टम की साख पर गहरा बट्टा लगा रहा है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस सड़े हुए तंत्र की सर्जरी करता है या फिर भ्रष्टाचार के इस नासूर को और बढऩे देता है।

सुपर सीडर कृषि यंत्र से बदली किसान उदयभान सिंह राठौर की तकदीर

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। जिले के ग्राम अंजनी विकासखंड जैतहरी में निवास करने वाले कृषक उदयभान सिंह राठौर की कहानी आज पूरे क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन चुकी है। परंपरागत खेती करने वाले श्री राठौर ने जब आधुनिक कृषि यंत्रों को अपनाया, तब उनके जीवन में खुशियों की नई फसल लहलहा उठी। कृषि अभियांत्रिकी विभाग की सहायता से प्राप्त सुपर सीडर कृषि यंत्र ने उनकी खेती को न केवल सरल बनाया, बल्कि उनकी आमदनी में भी उल्लेखनीय वृद्धि की। पहले जहाँ खेतों में नरवाई जलाने से पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा था, वहां सुपर सीडर के उपयोग से खेतों में फसल अवशेषों का प्रबंधन संभव हुआ। इससे मृदा की उर्वरता बनी रही और उत्पादन लागत में भी कमी आई।

बाल संरक्षण की दिशा में 2025 में हुई उल्लेखनीय प्रगति

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

जिले में बाल विवाह एवं ट्रेफिकिंग के खिलाफ विभिन्न जिला स्तरीय विभागों के साथ जागरूकता, प्रशिक्षण एवं अभियान आयोजित किये गये जिससे बाल विवाह एवं ट्रेफिकिंग कम हुई। हार्ड संस्था देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी संगठन है। जेआरसी के 250 से भी ज्यादा सहयोगी संगठन बाल अधिकारों की सुरक्षा व बच्चों के खिलाफ अपराधों की रोकथाम के लिए देश के 451 जिलों में काम किया जा रहा है। बचाव, सुरक्षा व अभियोजन की रणनीति पर अमल करते हुए इस नेटवर्क ने 1 जनवरी 2025 से अब तक देशभर में 1,98,628 बाल विवाह रोके हैं। इसके अलावा, इसी दौरान देशभर से कुल 55,146 बच्चों को ट्रैफिकिंग से मुक्त कराया गया जिनमें 40,830 लड़के व 14,316 लड़कियां थीं। इसके अलावा बच्चों की ट्रैफिकिंग के 42,217 मामले दर्ज कराए गए। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के द्वारा देश भर में समन्वित कार्रवाइयों का

असर यह रहा कि "बाल सुरक्षा की दिशा में यह एक ऐतिहासिक साल रहा। जिला प्रशासन, पुलिस, ग्राम पंचायतों और शिक्षकों के साथ मिलकर हमने जमीन पर जो किया है, उससे आए बदलाव और नतीजे देखे जा सकते हैं। बच्चे समाज के सबसे संवेदनशील अंग हैं और हमें ये याद रखना चाहिए कि ट्रैफिकिंग के पीड़ित बच्चों को मुक्त कराना सिर्फ पहला कदम है। अगर हमें गरीबी, बाल मजदूरी और बाल विवाह के दुष्चक्र को तोड़ना है तो इसके लिए पुनर्वास, बच्चों का वापस स्कूलों में दाखिला और कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील परिवारों की सहायता आवश्यक है। सन 2030 तक भारत से बाल विवाह के खात्मे, बाल मजदूरी, बाल विवाह या बाल वेश्यावृत्ति के इरादे से दूसरे जिलों व राज्यों में ले जाए गए बच्चों की पहचान व उन्हें मुक्त कराने के लिए जमीन पर काम कर रहा है। यह नेटवर्क रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) सहित सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ करीबी समन्वय से काम करता है और नेटवर्क का विस्तार व इसकी पहुंच बच्चों को मुक्त कराने के लिए समय रहते हस्तक्षेप को आसान बनाती है। अगर सभी धर्मों का पुरोहित वर्ग बाल विवाह संपन्न कराना बंद कर दे तो यह कुप्रथा अपने आप बंद हो जाएगी। इसलिए सभी धर्मों के तीन लाख से ज्यादा धार्मिक नेताओं को इस अभियान से जोड़ा गया है जो लोगों तक यह संदेश पहुंचा रहे हैं कि बाल विवाह गैरकानूनी है और कोई भी धर्म इसकी मंजूरी नहीं देता। जिले में तमाम धार्मिक स्थलों में बोर्ड लगाए हैं कि इस धार्मिक परिसर में बाल विवाह की स्वीकृति नहीं है। 'बाल विवाह मुक्त भारत' के तहत केंद्र सरकार के 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान में जिला प्रशासन के साथ समन्वय के साथ संस्था द्वारा विवाह समारोहों में सेवाएं देने वालों और इसकी रोकथाम में अहम कड़ी जैसे टेंट वालों, बैंड वालों, दर्जियों, सजावट करने वालों व कैटरर्स के साथ बैठकें कर उन्हें जागरूक कर रहे हैं कि बाल विवाह में किसी भी प्रकार का सहयोग कानूनन अपराध है।

गिरारी खुर्द में आयोजित किसान प्रशिक्षण में शामिल हुई जिला पंचायत सीईओ

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटरशेड अंतर्गत जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम गिरारी खुर्द, धरहर कला एवं जीलंग में कस्टम हायरिंग सेंटर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने ग्राम पंचायत गिरारी खुर्द के कस्टम हायरिंग सेंटर में टमाटर उत्पादक किसानों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा इस अवसर पर उन्होंने किसानों से चर्चा कर कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र

अमरकंटक के वैज्ञानिक डॉ संदीप चौहान एवं उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक सुभाष श्रीवास्तव तथा वाटरशेड अधिकारियों द्वारा आवश्यक प्रशिक्षण किसानों को प्रदान किया गया। कस्टम हायरिंग सेंटर धरहरकलां, जीलंग में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर किसानो को उन्नत खेती की जानकारी दी गई।

धान उपार्जन में तेजी लाएं और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करें- प्रभारी कलेक्टर

प्रभारी कलेक्टर ने धान उपार्जन तथा कानून व्यवस्था की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर। प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने आज गूगल मीट के माध्यम से धान उपार्जन कार्य की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने नए वर्ष 1 जनवरी पर जिले की कानून व्यवस्था के विशेष कार्य योजना पर चर्चा की। गूगल मीट में अनुविभागीय दंडाधिकारीगण, तहसीलदार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी व नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा सर्व संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस समीक्षा बैठक में धान उपार्जन के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें उपार्जन की गति, वारदाना की उपलब्धता, किसानों को भुगतान, और भंडारण की स्थिति आदि शामिल है। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे धान उपार्जन में तेजी लाएं और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करें। उन्होंने धान उपार्जन केन्द्र की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की उपार्जन केंद्र स्तर पर ड्यूटी लगाई गई है उनकी नियमित उपस्थिति केंद्र में रहे यह सुनिश्चित किया जाए।

खबर संक्षेप

ओवरलोड परिवहन पर 64 हजार रूपए का जुर्माना

कटनी। ओवरलोड परिवहन पर ट्रक चालक के विरूद्ध न्यायालय ने 64 हजार रूपए का जुर्माना लगाया है। ओवरलोडिंग एवं नियम विरुद्ध तरीके से वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है लेकिन पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है। यातायात थाना प्रभारी राहुल पांडे ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन में यातायात नियमों का उल्लंघन कर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध यातायात विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में गत 27 दिसंबर को चैकिंग के दौरान ट्रक क्रमांक MP 19 HA 1920 का चालक सत्यकुमार पिता लक्ष्मण कुशवाहा मालवाहक वाहन में क्षमता से अधिक माल लोड कर परिवहन करते पाया गया। उक्त वाहन चालक के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर माननीय न्यायालय की कार्यवाही की गई थी। 29 दिसंबर को उक्त प्रकरण माननीय न्यायालय पेश करने पर माननीय न्यायालय द्वारा वाहन चालक एवं वाहन मालिक के विरुद्ध कुल 64 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया गया।

संचार संकर्म समिति की बैठक 7 जनवरी को

कटनी। संचार संकर्म समिति की बैठक का आयोजन 7 जनवरी 2026 को दोपहर 1 बजे से जिला पंचायत के सभागार में किया जाएगा। बैठक में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल विकास निगम, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा 2 वर्ष में कराये गये निर्माण कार्यों की समीक्षा की जायेगी। संचार संकर्म समिति के सचिव ने बैठक मे सभापति अजय कुमार गौटिया सहित सदस्य संचार संकर्म समिति जिला कटनी सर्व श्रीमती शीला सिंह, सुश्री माला मौसी, श्रीमती कविता पंकज राय के साथ-साथ सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को मौजूद रहने का आग्रह किया है।

गंदगी फैलाने पर 2900 रुपये का स्पॉट फाइन

कटनी। नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा जोनवार स्वच्छता अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। इसी क्रम में निगम के स्वास्थ्य अमले द्वारा नगर के विभिन्न जोनों में चलाए गए अभियान में निरीक्षण के दौरान स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 2 हजार 900 रूपये की स्पॉट फाइन की कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि सोमवार को जोनवार चलाए गए अभियान के दौरान जोन क्रमांक 2 बस स्टैंड, जोन क्रमांक 3 माई नदी से दुबे कॉलोनी तक तथा जोन क्रमांक 4 माधवनगर बाजार क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने, कचरा निर्धारित स्थान पर न डालने तथा स्वच्छता नियमों की अनदेखी करने वाले व्यक्तियों एवं दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 2 हजार 900 रुपये का स्पॉट फाइन वसूल किया गया।

अचानक बढ़ी ठंड से राहत दिलाने अलाव एवं रैन बसेरा में व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के दिये निर्देश

कटनी मौसम में अचानक आई गिरावट एवं तीव्र ठंड को दृष्टिगत रखते हुए नगर के सड़क किनारे रहने वाले, श्रमिक, वृद्धजन एवं असहाय एवं जरूरतमंद नागरिकों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने शहर में संचालित अलाव एवं रैन बसेरा की व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी व सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए हैं।
निगमायुक्त सुश्री परिहार ने प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल परिसर सहित मुख्य चौराहों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अलाव की संख्या आवश्यकतानुसार बढ़ाने तथा नियमित रूप से अलाव जलाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही उन्होंने अलाव के लिए पर्याप्त लकड़ी का भंडारण पूर्व से ही करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे किसी भी समय आपूर्ति बाधित न हो।

गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर बुढ़ार नगर में निकली कीर्तन यात्रा जगह - जगह हुआ फूलों से स्वागत, हैरतअंगेज गतके का प्रदर्शन

सिक्खों के दसवें गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में बुधवार को नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई।यात्रा में पंच प्यारे की झांकी एवं गतका पार्टी के हैरतअंगेज करतब रहे आकर्षण का केंद्र।

बुढ़ार।

शोभायात्रा सिंधी बाजार स्थित सिक्ख गुरुद्वारा से प्रारंभ हुई और लोहिया चौक होते हुए अमरकंटक मार्ग कालेज तिराहे होते हुए वापस गुरुद्वारा पहुंचे इस दौरान नगर के प्रमुख चौराहों पर गतका का प्रदर्शन किया गया।शोभायात्रा के आगे आगे सिक्ख समाज की महिलाएं कीर्तन एवं झाड़ू से सफाई करते हुए चल रही थी।गतका पार्टी के 12 सदस्यों का प्रदर्शन शोभायात्रा के साथ पंजाब के लुधियाना से आईं दलेर खालसा गतका पार्टी की 12 सदस्यों की टीम भी चल रही थी, गतका पार्टी नगर के लोहिया चौक, कालेज तिराहे पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने करतब दिखाए जिसे देखने मौके पर भारी तादाद में भीड़ एकत्रित रहीं। शोभायात्रा में श्री राम जानकी मंदिर के महंत अर्जुन दास महाराज एवं गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष बलमीत सिंह खानूजा ज्ञानी भगवान सिंह, इंद्र जीत सिंह छाबड़ा,रविजीत सिंह, रिक्की सिंह मनजीत सिंह,अमर जीत सिंह,राजा छाबड़ा,हरनेक सिंह खानूजा,ईशर सिंह सहित भारी संख्या में सभी धर्म के लोग शोभायात्रा में शामिल रहे।शांति व्यवस्था गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के दौरान थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार की टीम सुरक्षा का जिम्मा लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई।

तीन लाख से भी अधिक के मिनी हाईमास्क लाइट का उद्घाटन महंत अर्जून दास महाराज ने किया

बुढ़ार।

नगर परिषद के द्वारा नगर के प्रमुख वार्डों में नागरिकों की मांग पर 3 लाख 20 हजार की लागत से 8 मिनी हाईमास्क लाइट का बटन दबाकर एवं वेदिक मंत्रोच्चार के साथ श्री राम जानकी मंदिर के महंत अर्जुन दास महाराज के शुभाशीष हाथों से बटन दबाकर शुभारंभ किया गया है।नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने इस मौके पर कहा कि हम प्रयास कर रहे कि नगर की प्रमुख समस्याओं का निराकरण वार्ड वासियों के आशानुरूप किया जाये इसी तारतम्य में मंगलवार को नगर के नारायण सरोवर, में 3 लाइट एवं मां दुर्गा मंदिर तिराहे, शासकीय प्राथमिक पाठशाला भुतही टोला एवं वार्ड क्रमांक 15 टीटी नगर में त्रिकोण हाईमास्क एल ई डी लाइट के प्रकाश से जगमगा उठागा वार्ड और वार्ड वासियों को मिलेगा लाभ। नगर के विभिन्न वार्डों में मिलेगा प्रकाश महंत अर्जुन दास जी महाराज के द्वारा मिनी हाई मास्क लाइट का उदघाटन. जो नगर के विभिन्न वार्डों में लगाईं गई जिसमें 3 लाइट नारायण सरोवर में,1 लाइट वार्ड 2-3 के मध्य,1 लाइट 1-11 के मध्य,1 लाइट वार्ड 15 में और एक एक लाइट शमशान और कब्रिस्तान में लगाई गई।इस मौके पर सीएमओ सौरभ श्रीवास्तव, प्रवीण कुमार गुप्ता,पार्षद श्रीमती जूली जैन,रवि रजक, श्रीमती सविता सिंह, श्रीमती सुमित्रा नामदेव इंजीनियर सीपी पांडेय सहित नगर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहें।

श्री राम जानकी मंदिर के महंत गोदावरी परिक्रमा यात्रा से वापस आने माल्यार्पण कर की अगुवानी

बुढ़ार।

बुधवार को श्री राम जानकी मंदिर में सादे समारोह कार्यक्रम में मंदिर के महंत अर्जुन दास जी का तिलक वंदन कर आत्मीय स्वागत किया गया।विगत दिनों गोदावरी परिक्रमा यात्रा में शामिल होने श्री राम जानकी मंदिर बुढार के महंत अर्जुन दास महाराज गये थे। मलूक पीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्र दास जी महाराज के सानिध्य में आयोजित गोदावरी परिक्रमा यात्रा 2025 हाल ही में संपन्न हुई थी। तत्पश्चात नगर आगमन पर प्रबुद्ध जनों ने मिलकर उनका अभिनंदन किया जिसमें धर्म न्यास भानू प्रकाश दीक्षित, एंड सतेंद्र कुमार शुक्ला, पुष्पेंद्र ताम्रकार,शरद गुप्ता, सुरेंद्र जायसवाल, अरविंद नायक, आशीष नामदेव,मनीष चमाडिया सुरेश दशोरे ने तिलक वंदन माल्यार्पण कर अगुवानी की।इस पुनीत बेला पर मंदिर के आचार्य गणों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार कर धार्मिक अनुष्ठान किये।

ओपीएम कास्टिक सोडा यूनिट ने फिर जताई सुरक्षा की चिंता, 5 जनवरी को गेट जाम की चेतावनी का आरोप

अमलाई। ओपीएम कास्टिक सोडा यूनिट, अमलाई प्रबंधन ने औद्योगिक शांति भंग होने की आशंका जताते हुए पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को शिकायती पत्र सौंपा है। प्रबंधन का आरोप है कि रासायनिक संयंत्र श्रमिक संघर्ष संघ (बीएमएस) के अध्यक्ष राज तिवारी द्वारा पूर्व घटनाओं के बावजूद स्थिति सामान्य नहीं हो रही है और 5 जनवरी को यूनिट के मुख्य द्वार पर गेट जाम व कार्य बाधित करने की घोषणा की गई है।यूनिट प्रबंधन के अनुसार, 15 दिसंबर 2025 को राज तिवारी अपने 50–55 समर्थकों के साथ ज्ञापन देने के बहाने यूनिट परिसर के भीतर प्रवेश कर गए, जिससे कर्मचारियों में भय का वातावरण बना। इस संबंध में थाना चचाई में फोटो व वीडियो साक्ष्यों के साथ शिकायत दर्ज कराई गई थी।
प्रबंधन का कहना है कि यह घटनाक्रम माननीय न्यायालय द्वारा लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन है, जो वर्तमान में प्रभावशील है।शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि थाना स्तर पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से संबंधित पक्ष के हौसले बढ़े हैं और 24 दिसंबर 2025 को दिए गए पत्र के माध्यम से 5 जनवरी 2026 को पुनः धरना-प्रदर्शन, गेट जाम और यूनिट बंद कराने की चेतावनी दी गई है, जिससे उत्पादन एवं औद्योगिक गतिविधियां प्रभावित होने की आशंका है।वहीं, रासायनिक संयंत्र श्रमिक संघर्ष संघ के अध्यक्ष राज तिवारी ने यूनिट प्रबंधन के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनके द्वारा स्थानीय युवाओं को रोजगार देने तथा मजदूरों को नियमानुसार सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन सौंपा गया था। उन्होंने किसी भी प्रकार की धमकी या अराजक गतिविधि से इंकार किया है।ओपीएम कास्टिक सोडा यूनिट प्रबंधन का कहना है कि इस तरह की गतिविधियों से कर्मचारियों व उनके परिवारजनों में भय व्याप्त है और औद्योगिक शांति भंग होने का खतरा बना हुआ है। प्रबंधन ने प्रशासन से मांग की है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु समय रहते सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि यूनिट का संचालन निर्बाध रूप से जारी रह सके।

बीएमओ की तानाशाही जांच करने वाले कर्मचारियों को निकाला शासकीय जांचों के लिए मांग रहे कमीशन

आउटसोर्स की भर्ती में खुलेआम लेनदेन

ब्यौहारी

ब्यौहारी के सीबीएमओ डॉक्टर निशांत सिंह परिहार इन दोनों कमीशन मांगने के लिए विवादों से घिरे हुए हैं शासकीय पैथोलॉजी में कई सालों से काम करने वाले राजमणि पटेल ने बताया कि सरकार द्वारा लोगों की निशुल्क जांच कराई जाती है जिसका बिल भुगतान एनएचएम द्वारा किया जाता है कंपनी द्वारा ही मशीनों का रखरखाव एवं मरम्मत कराया जाता है प्रत्येक महीने की 20 तारीख को टोटल जांचों का बिल सत्यापन कर भुगतान किया जाता है जिसको सीबीएमओ द्वारा सत्यापित किया जाता है उनके सत्यापन के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा सत्यापित किया जाता है जिससे बिल कंपनी को मिल जाता है लेकिन एनएचएम द्वारा यह नियम बनाया गया है कि यदि 25 तारीख तक बीएमओ एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बिल को सत्यापित नहीं करेंगे तो स्वत सत्यापित हो जाएगा और कंपनी को बिल मिल जाएगा जांच विभाग में काम करने वाले राजमणि पटेल ने बताया कि मेरी झूठी शिकायत करके बीएमओ द्वारा मुझे निकलवा दिया गया अब ज्वाइन नहीं कराया जा रहा है मुझसे कमीशन की मांग कर रहे थे कि मुझे कमिशन दिलवाओ जब कंपनी कमीशन नहीं दे रही है तो मैं कहां से दिलवाऊ हूं मैं खुद कर्मचारी हूं और कंपनी पर आश्रित हूं मुझे निकालने के बाद जो जांच निशुल्क होती है प्रत्येक जांच में 10 के हिसाब से शुल्क लगा दिया गया है जो मरीज से खुलेआम लूट है इसका अर्थ यह है कि पहले मरीज 10 की पर्ची काटा लेता था और जितनी भी जांच डॉक्टर लिखता था सब जांच निशुल्क होती थी लेकिन अब ब्यौहारी हॉस्पिटल में10 की ओपीडी पर्ची कटाने के बाद भी यदि डॉक्टर पांच तरह की जांच लिखता है तो50 की पर्ची और अलग से कटाना पड़ेगा जो पूरे प्रदेश में कहीं नहीं है लेकिन ब्यौहारी के सीबीएमओ खुद अलग नियम बना रहे हैं कई दिनों तक अस्पताल में जांच बंद थी अब अप्रशिक्षित लोगों को भर्ती करके जांच शुरू कराया जा रहा है और निशुल्क होने वाली जांच का पैसा लिया जा रहा है शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री कमिश्नर एवं कलेक्टर स्वास्थ्य मंत्री से नियमों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

इनका कहना है

मेरे द्वारा कमीशन की मांग नहीं की जाती अस्पताल में सब जांच चालू है ।
निशांत सिंह परिहार
खंड चिकित्सा अधिकारी ब्यौहारी

मुख्यमंत्री ने बिरासनी माता के दर्शन कर मांगी मन्नत

बिरसिंहपुर पाली

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के एक दिवसीय निजी दौरे पर बिरसिंहपुर पाली पहुँच कर जगत जननी जगदम्बा माँ के दर्शन कर मन्नत मांगी, ताकि उनकी कुर्सी सलामत बनी रही। बताया जाता है कि इसके पहले वह राज्य स्तरीय पेशा एक्ट महा सम्मेलन कार्यक्रम में पाली विकास खंड के गोरईया ग्राम पंचायत आये थे, तब माँ बिरासनी मंदिर में माथा नहीं टेंक पाये थे तब से ही यह चर्चा चल पडी थी की पाली आने के बाद जो जगत जननी के दर्शन नहीं करते उन्हें अपनी कुर्सी गवानी पडती है।यद्यपि यह बात अपने उद्बोधन में भी मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा था कि जब मैं शिक्षा मंत्री था तब माँ बिरासनी मां के दर्शन किया था,और मां ने मुझे मुख्यमंत्री बना दिया,मैं माता के दर्शन के लिये जरूर जाऊगा, लेकिन वह दर्शन करने के लिए कार्यक्रम स्थल से निकले, लेकिन आखिर कार आनन फानन में बीच रास्ते से कार्यक्रम बदल गया था और वह माता के दरबार में माथा टेकने नही पहुँच पाये। कही न कहीं इसकी कसक उनके मन में बनी रही। इस बात झलकियाँ भी राजनैतिक परिदृश्य में मिलने लगी थी और उनके मन में बैठी पीड़ा उन्हें माता के दरबार में खीच ले आयी। विदित होवे की बीते दिवस मुख्यमंत्री मोहन यादव सपत्नीक बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान के दौरे पर आये हुए थे, जहाँ पर उन्होंने रात्रि विश्राम किया और सुबह राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण किया तत्पश्चात वह बिरसिंहपुर पाली पहुँच कर माता के दर्शन किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सुश्री मीना सिंह, जैतपुर विधायक जय सिंह मरावी,नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष सुश्री शकुंतला प्रधान, नगर पालिका उपाध्यक्ष राजेश पटेल, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता मिथलेश पयासी, मंडल अध्यक्ष श्रीमती राधा तिवारी, वरिष्ठ भाजपा नेता सरजू प्रसाद अग्रवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश पालीवाल, मंडल महामंत्री विमल अग्रवाल,ओंकार प्रसाद चतुर्वेदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रमोहन शुक्ला पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रदीप सोनी, संतोष सिंह वैस, सुरेश विश्वकर्मा, कौशल यादव, प्रदीप सोनकर, संतोष यादव, कामता विश्वकर्मा, देवी सिंह, लोकनाथ सिंह के अलावा सैकड़ों भाजपाई कार्यक्रम में शिरकत की। इसके अलावा प्रशासनिक अधिकारियों में शहडोल आयुक्त सुरभि गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक सविता सुहाने, पुलिस अधीक्षक उमरिया ,मुख्यमंत्री ने बिरासनी माता के दर्शन कर मांगी मन्नत बिरसिंहपुर पाली -- मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के एक दिवसीय निजी दौरे पर बिरसिंहपुर पाली पहुँच कर जगत जननी जगदम्बा माँ के दर्शन कर मन्नत मांगी, ताकि उनकी कुर्सी सलामत बनी रही। बताया जाता है कि इसके पहले वह राज्य स्तरीय पेशा एक्ट महा सम्मेलन कार्यक्रम में पाली विकास खंड के गोरईया ग्राम पंचायत आये थे, तब माँ बिरासनी मंदिर में माथा नहीं टेंक पाये थे तब से ही यह चर्चा चल पडी थी की पाली आने के बाद जो जगत जननी के दर्शन नहीं करते उन्हें अपनी कुर्सी गवानी पडती है।यद्यपि यह बात अपने उद्बोधन में भी मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा था कि जब मैं शिक्षा मंत्री था तब माँ बिरासनी मां के दर्शन किया था,और मां ने मुझे मुख्यमंत्री बना दिया,मैं माता के दर्शन के लिये जरूर जाऊगा, लेकिन वह दर्शन करने के लिए कार्यक्रम स्थल से निकले, लेकिन आखिर कार आनन फानन में बीच रास्ते से कार्यक्रम बदल गया था और वह माता के दरबार में माथा टेकने नही पहुँच पाये। कही न कहीं इसकी कसक उनके मन में बनी रही। इस बात झलकियाँ भी राजनैतिक परिदृश्य में मिलने लगी थी और उनके मन में बैठी पीड़ा उन्हें माता के दरबार में खीच ले आयी। विदित होवे की बीते दिवस मुख्यमंत्री मोहन यादव सपत्नीक बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान के दौरे पर आये हुए थे, जहाँ पर उन्होंने रात्रि विश्राम किया और सुबह राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण किया तत्पश्चात वह बिरसिंहपुर पाली पहुँच कर माता के दर्शन किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सुश्री मीना सिंह, जैतपुर विधायक जय सिंह मरावी,नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष सुश्री शकुंतला प्रधान, नगर पालिका उपाध्यक्ष राजेश पटेल, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता सरजू प्रसाद अग्रवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश पालीवाल, वरिष्ठ पार्षद घनश्याम साकेसमंडल महामंत्री विमल अग्रवाल,ओंकार प्रसाद चतुर्वेदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रमोहन शुक्ला पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रदीप सोनी, संतोष सिंह वैस, सुरेश विश्वकर्मा, कौशल यादव, प्रदीप सोनकर, संतोष यादव, कामता विश्वकर्मा, देवी सिंह, लोकनाथ सिंह , कमल सिंह के अलावा सैकड़ों भाजपाई कार्यक्रम में शिरकत की। इसके अलावा प्रशासनिक अधिकारियों में शहडोल आयुक्त सुरभि गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक सविता सुहाने, पुलिस अधीक्षक उमरिया के साथ सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखी गयी।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय खिताब अर्जित करने वाले प्रतिभागियों ने प्रभारी कलेक्टर से भेंट कर खुशियां की साझा

अनूपपुर। राष्ट्रीय पेसा महोत्सव के अवसर पर आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में जिले के प्रतिभागी मध्य प्रदेश की टीम में शामिल होकर राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में विजेता तथा महिला वर्ग में उपविजेता का खिताब अर्जित किया है मध्य प्रदेश की टीम में शामिल अनूपपुर जिले के प्रतिभागियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर की ट्रॉफी अर्जित की जो जिले के लिए सुखद व गौरव के पल हैं। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम से लौटकर अनूपपुर जिले के प्रतिभागियों ने आज प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी से भेंट कर अपनी खुशियां साझा की इस अवसर पर प्रभारी कलेक्टर श्रीमती अर्चना कुमारी ने प्रतिभागियों को इस उल्लेखनीय सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। राष्ट्रीय पेसा महोत्सव के कबड्डी प्रतियोगिता में पेसा के जिला समन्वयक राजेश सिंह तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के विकासखंड समन्वय कोतमा मिथिलेश सिंह नेताम के नेतृत्व में मध्य प्रदेश की पुरुष टीम में अनूपपुर जिले के प्रतिभागी बसंत कुमार सिंह, विक्रम सिंह, त्रिवेंद्र कुमार सिंह, गोपाल सिंह तथा महिला वर्ग की टीम में पार्वती सिंह, सुषमा रानी, चित्रा कोल, मोनू सिंह धुर्वे शामिल रहे।

जिले में 15 जनवरी तक होगा कोदो उपार्जन, अब तक 90 क्विंटल कोदो-कुटकी उपार्जित

अनूपपुर। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत समर्थन मूल्य पर अनूपपुर जिले में किसानों से पहली बार हो रहे कोदो-कुटकी के उपार्जन में जिले में अब तक 14 किसानों से 64.84 क्विंटल कोदो एवं 09 किसानों से 25.07 क्विंटल का उपार्जन किया जा चुका है। जबकि कोदो उपार्जन के विरूद्ध किसानों को 46 हजार रूपए भुगतान किया किया गया है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देश पर जिले में किसानों की सुविधा के लिए कोदो कुटकी का उपार्जन एमपीडब्लूसीएल 01 राजेंद्रग्राम (2348003001) के उपार्जन केन्द्र पर किया जा रहा है। उपार्जन केंद्र का विगत दिवस कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा जायजा भी लिया गया है। उपार्जन केंद्र का संचालन अमरकंटक हॉर्टिकल्चर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, राजेंद्रग्राम (50948003) कृषक उत्पादक संगठन द्वारा किया जा रहा है।

सहकारी समिति में मनमानी के आरोप

प्यारी-1 उपार्जन केंद्र पर किसान की धान खरीदी से इनकार

प्रबंधक पर तानाशाही रवैये के गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राज्य सरकार जहां किसानों को अन्नदाता मानते हुए उनकी आय और सम्मान बढ़ाने के दावे कर रही है, वहीं ग्राम पंचायत प्यारी क्रमांक-1 स्थित सहकारी समिति में सामने आए हालात इन दावों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। यहां समिति प्रबंधक पर नियमों की अनदेखी कर किसान अमित महरा की धान खरीदी से इनकार करने के आरोप लगे हैं।

बिना कारण लौटाया गया किसान

पीड़ित किसान अमित महरा का कहना है कि वह निर्धारित मापदंडों के अनुरूप धान लेकर उपार्जन केंद्र पहुंचा था, लेकिन प्रबंधक द्वारा बिना किसी लिखित कारण या तकनीकी आपत्ति के उनकी उपज को खरीदने से मना कर दिया गया। किसान का आरोप है कि यह निर्णय पूरी तरह मनमाना है और इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

नियमों से ऊपर अधिकारी

किसानों के बीच चर्चा है कि समिति में नियम-कायदों का पालन चयनात्मक रूप से किया जा रहा है। सवाल यह उठ रहा है कि यदि धान गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरती, तो उसकी लिखित जांच रिपोर्ट क्यों नहीं दी गई। किसानों का कहना है कि इस तरह की कार्यप्रणाली से सहकारी व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है।

किसान का स्पष्ट रुख

मामले से आहत किसान अमित महरा ने कहा है कि जब तक उनकी धान की निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से खरीदी नहीं होती, तब तक वे धान का उठाव नहीं होने देंगे। उनका कहना है कि यह लड़ाई केवल उनकी नहीं, बल्कि उन सभी किसानों की है जो उपार्जन केंद्रों में भेदभाव का सामना कर रहे हैं।

बढ़ता असंतोष

घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में असंतोष का माहौल है। कई किसानों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते प्रशासन ने हस्तक्षेप नहीं किया, तो किसानों को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। इस मामले में लैंपस प्रबंधक का पक्ष जानने के लिए उनसे मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। प्रबंधक की ओर से प्रतिक्रिया न मिलने के कारण स्थिति को लेकर असमंजस बना हुआ है।

खाना पूर्ति कर विभाग ने झाड़ा पल्ला

पानी के लिए किसान परेशान खुद कर रहे नहर की सफाई एवं मरम्मत

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा तहसील अंतर्गत जल संसाधन विभाग के द्वारा पिपरिया जलाशय का निर्माण कार्य करवाया गया है लेकिन ठेकेदार की लापरवाही एवं विभाग के कर्मचारियों की मिली भगत से नहर का काम इस बर्ष भी पूरा नहीं हो पाया है जिसके कारण देवगवां, धुम्मा, डोगरीटोला, मनटोलिया के किसानो को रवि फसल की सिंचाई के लिए पानी नही मिल पा रहा है। बताया जाता है कि नहर जगह जगह से टूटी हुई है पिछले बर्ष कलेक्टर के निर्देश पर जलसंसाधन विभाग के द्वारा मिट्टी डलवाया गया था और फिर बरसात के मौसम में खानापूर्ति करते हुए प्लास्टिक की पन्नी लगा कर जिम्मेदारी से इतिश्री कर ली लेकिन आज तक नहर का मरम्मत कार्य नही करवाया गया। बारिश के समय प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था जिसको संज्ञान मे लेते हुए विभाग के द्वारा नहर के मरम्मत कार्य के लिए मौके पर पहुंचते हुए खाना पूर्ति कर बोरी एवं मिट्टी डलवाते हुए प्लास्टिक की पन्नी बिछवा दी गई थी लेकिन नहर में जमे खरपतवार की साफ सफाई नहीं करवाई गई जिसके कारण किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा था जिसके कारण कुछ किसानों ने स्वयं नहर में लगे खरपतवार की सफाई करते हुए सिंचाई की व्यवस्था बनाये थे। किसानों का कहना है कि जब नहर की साफ सफाई एवं मरम्मत कार्य करवाए जाने को लेकर बात की जाती है तो एसडीओ का कहना रहता है कि जहां शिकायत करना है कर दो मैं क्या करूं मेरी जो जिम्मेदारी थी मैं उसे कर दिया हूं एसडीओ की बातों से किसानों में गुस्सा देखा जा रहा है। किसानों का कहना है कि रवि फसल को लेकर हम तैयारी मे लगे हुए हैं नहर जगह जगह से टूटी है हम खुद ही मिट्टी से बांध कर सिंचाई की व्यवस्था बना रहे हैं। जिससे उन्हें नहर से पानी मिल सके।

दोबारा जारी हुआ टेंडर

जल संसाधन विभाग के द्वारा पहले जिस ठेकेदार को जलाशय एवं नहर निर्माण कार्य का टेंडर दिया गया था उस ठेकेदार के द्वारा समय पर कार्य पूरा नहीं किया गया जिसके कारण जल संसाधन विभाग के द्वारा ठेकेदार को भुगतान करते हुए दोबारा बैलेंस टेंडर जारी करते हुए लगभग तीन करोड़ रुपए का टेंडर भींड के ठेकेदार को दिया गया लेकिन उसकी भी समय सीमा पिछले मार्च माह मे समाप्त हो गई लेकिन नहर एवं जलाशय का अन्य कार्य अधूरा होने के कारण ठेकेदार के द्वारा समयावधि बढ़ाने के लिए विभाग को पत्राचार किया गया है।

किया जा रहा राशि का दुरुपयोग

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जलाशय एवं नहर का काम अभी पूरा नही हुआ है और ना ही नहर का मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है लेकिन फिर से लगभग 12 लाख रुपए का स्टीमेट बनाकर रीवा में स्थित इंजीनियर के पास भेजा गया है। कुल मिलाकर जलाशय के नाम पर राजस्व के राशि की होली खेली जा रही है। 1650 नहर मुंड माडा के पास आज तक नहर का सुधार कार्य नहीं कराया जा रहा हैं। वर्तमान मे बेस्ट बियर के गाड़ बाल एवं पिचिंग का कार्य करवाया जरूर जा रहा लेकिन वह भी कछुआ गति से जिसके कारण किसानो को रवि फसल की सिंचाई के लिए सही ढंग से पानी नही मिल पा रहा है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का पावन प्रकाश पर्व

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। श्री गुरु सिंध सभा गुरुद्वारा अनूपपुर मे प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 05 जनवरी को समस्त संगत द्वारा श्री गुरु गोविंद सिंध जी महाराज का पावन प्रकाश पर्व बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। आयोजित कार्यक्रमो के अन्तर्गत प्रातः 10:30 बजे से 11:30 बजे तक शबद कीर्तन महिला मंडल द्वारा। 11:30 बजे से 1:15 बजे तक शबद कीर्तन ज्ञानी प्रीतम सिंध घनपुरी वाले द्वारा गायन किया जायेगा। उसके उपरान्त

अरदास व कढा प्रसाद वितरण होगा, साथ ही गुरु का लंगर दोपहर 1:40 बजे से 4:00 बजे तक। श्री गुरु सिंध सभा गुरुद्वारा अनूपपुर के अध्यक्ष सरदार करतार सिंध व सचिव पलविन्दर सिंध बिट्टू ने समस्त संगत से कार्यक्रम मे सम्मलित होने की अपील की है। गुरुद्वारा अनूपपुर मे समस्त कार्यक्रम सिक्ख समाज व सिन्धु समाज मिलजुल कर प्रेम से समस्त कार्यक्रम आयोजित करता है।

भूपेश बघेल का अमरकंटक में माँ नर्मदा दर्शन एवं पूजा-अर्चना कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भगवान शिव की तपोस्थली एवं माँ नर्मदा के पावन उद्गम स्थल अमरकंटक (मध्य प्रदेश/छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र) में स्थित माँ नर्मदा देवी के शक्तिपीठ में विधिवत दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने माँ नर्मदा के पावन जल से आशीर्वाद प्राप्त कर प्रदेश व देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। अमरकंटक को नर्मदा नदी का उद्गम स्थल होने के साथ-साथ हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र एवं दिव्य स्थान माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माँ नर्मदा के दर्शन मात्र से श्रद्धालुओं को मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा एवं जीवन में सकारात्मकता की अनुभूति होती है।

विधि-विधान से पूजा-अर्चना

भूपेश बघेल ने नर्मदा मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना एवं आरती में भाग लिया। श्रद्धा-भाव के साथ उन्होंने माँ नर्मदा के चरणों में शीश नवाया और मंगलकामनाएँ अर्पित कीं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अमरकंटक स्थित यह शक्तिपीठ 51 शक्तिपीठों में से एक प्रमुख स्थल माना जाता है, जिसका उल्लेख रामायण एवं विभिन्न पुराणों में भी मिलता है।

अमरकंटक का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व

अमरकंटक को भगवान शिव की तपोभूमि कहा जाता है, जहाँ माँ नर्मदा का प्राकट हुआ। यहाँ स्थित नर्मदा उद्गम कुंड, मंदिर एवं गुफा क्षेत्र में प्रतिदिन पूजा, अभिषेक एवं आरती का आयोजन होता है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु इस पावन नगरी में आकर आत्मिक शांति एवं आध्यात्मिक संतुलन का अनुभव करते हैं।

भूपेश बघेल का आध्यात्मिक संदेश

दर्शन उपरांत भूपेश बघेल ने कहा कि माँ नर्मदा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं मानसिक शांति बनी रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे पवित्र स्थलों पर आकर पूजा-अर्चना करने से मन को शांति मिलती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अमरकंटक न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी भारतीय विरासत का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यह धार्मिक यात्रा आध्यात्मिक अनुभूति से परिपूर्ण रही, जिसने श्रद्धा, आस्था एवं संस्कृति के महत्व को पुनः रेखांकित किया।

घायल बंदर का किया गया उपचार, की गई खाने पीने की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूजबदरा। बदरा सकोला स्थानीय निवासी राजेंद्र विश्वकर्मा के यहां कल रात्रि में करीब 8:00 बजे एक घायल बंदर घर में प्रवेश करके बेहोशी की हालत में बैठ गया जिस घर के लोग थोड़ी बहुत भयभीत हुए लेकिन घायल बंदर को देखते ही इसकी सूचना वन विभाग के लोगों को दिया गया घायल बंदर की सेवा में पारसनाथ विश्वकर्मा और सुभाष विश्वकर्मा, शिवानी द्वारा बहुत देखरेख किया गया। बंदर किसी तरह से कोई परेशानी घर वालों पर नहीं किया समय पर उपचार होने के बाद इसको सुरक्षित अस्पताल ले जाया गया इलाज होने के बाद उसे जंगल में छोड़ा गया विश्वकर्मा परिवार द्वारा बंदर का देखरेख एवं समय पर उपचार होने से ग्राम के लोग बधाई देने के लिए उपस्थित हुए।

श्री नर्मदा महोत्सव की तैयारियों को लेकर सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक

24 व 25 जनवरी को दो दिवसीय आयोजन

हरिभूमि न्यूजअमरकंटक। आगामी श्री नर्मदा जयंती महोत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर सर्किट हाउस अमरकंटक में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुभागीय राजस्व अधिकारी पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट (आईएएस) ने की। बैठक में नगर परिषद उपाध्यक्ष रज्जु सिंह नेताम एवं अंबिका प्रसाद तिवारी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में महोत्सव को भव्य, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धालु-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियाँ पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि अमरकंटक के सभी होटल संचालक प्रशासनिक आवश्यकता हेतु अनिवार्य रूप से दो कमरे आरक्षित रखेंगे, जिससे अतिथियों एवं अधिकारियों के ठहराव में किसी प्रकार की असुविधा न हो। नगर परिषद अमरकंटक को महोत्सव से पूर्व निम्नलिखित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए जिसमें शहर के बाहर व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था, अव्यवस्थित पार्किंग पर जुर्माने की कार्रवाई, नया एवं पुराना मेला ग्राउंड सुव्यवस्थित करना, नगर की प्रमुख सड़कों की मरम्मत, नगर एवं पर्यटक स्थलों की व्यापक साफ-सफाई, सार्वजनिक शौचालयों का हैंडओवर एवं संचालन, पेयजल आपूर्ति को पूरी तरह सुचारु रखना, नर्मदा मंदिर एवं घाट क्षेत्र की विशेष तैयारी, नर्मदा मंदिर स्थित कुएं की सफाई, नर्मदा मंदिर में पूजन एवं दर्शन की समय-सीमा निर्धारित, श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु स्टील रेलिंग की व्यवस्था, उत्तर तट क्षेत्र में जल निकासी की समुचित व्यवस्था, धार्मिक कार्यक्रमों का निर्धारण, 24 जनवरी को भव्य शोभा यात्रा का आयोजन, 25 जनवरी को भंडारे का आयोजन किया जाएगा बैठक में स्पष्ट किया गया कि श्री नर्मदा महोत्सव के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात नियंत्रण एवं मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में नायब तहसीलदार अमरकंटक, चैन सिंह परस्ते मुख्य नगर पालिका अधिकारी, बृजेश पांडेय, श्री धुर्वे, कामता प्रसाद द्विवेदी, पुजारीगण धनेश द्विवेदी, रूपेश द्विवेदी, रामगोपाल द्विवेदी (श्री नर्मदा मंदिर), पूर्व उपाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल, श्रवण कुमार उपाध्याय, संजय श्रीवास, उमाशंकर पाण्डेय 'मुन्नू', पत्रकारगण, जनप्रतिनिधि तथा नगर परिषद अमरकंटक के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जागरूकता एवं संयम ही एड्स से बचाव का सबसे प्रभावी उपचार-डॉ. आर. पी. सोनी

विश्व एड्स दिवस पर पीएम श्री तुलसी महाविद्यालय में आयोजित किया गया जागरुकता व्याख्यान

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। विश्व एड्स जागरूकता के उद्देश्य से 31 दिसम्बर को प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर में एड्स जागरूकता विषय पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनूपपुर के पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. पी. सोनी विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग डॉ. जे. के. सन्त ने की, जबकि हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में डॉ. आर. पी. सोनी ने कहा कि एड्स एक गंभीर लेकिन पूर्णतः रोके जा सकने वाला रोग है, बशर्ते समाज में सही जानकारी,

जागरूकता और सतर्कता हो। उन्होंने एड्स के कारणों, संक्रमण के तरीकों, भ्रांतियों तथा इससे बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई का प्रयोग और असुरक्षित रक्त चढ़ाना इसके प्रमुख कारण हैं। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि हाथ मिलाने, साथ बैठने या भोजन साझा करने से एड्स नहीं फैलता, जिसे लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. जे. के. सन्त ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल जानकारी देते हैं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का बोध भी कराते हैं। उन्होंने युवाओं से वैज्ञानिक सोच अपनाने और अफवाहों से दूर रहने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. नीरज श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता आज की सबसे बड़ी सामाजिक आवश्यकता है, और ऐसे आयोजनों के माध्यम से छात्र-छात्राएँ समाज में सकारात्मक संदेश पहुँचाने का कार्य कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठक रासेयो डॉ ज्ञान प्रकाश पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. तरन्नुम सरवत, सुश्री अंजलि एवं महाविद्यालय के समस्त स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा। साथ ही स्वयंसेवकों रीतिका, वर्षा, भानू एवं निहारिका ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बिजुरी पुलिस द्वारा वर्ष 2025 में 55 गुमे मोबाईल का खोज कर किया फरियादियों को सुपुर्द

हरिभूमि न्यूजबिजुरी। थाना बिजुरी क्षेत्रांतर्गत विभिन्न फरियादियो द्वारा अपने अपने मोबाइल फोन गुम हो जाने की संबंध मे आवेदन प्रस्तुत किये गये थे। पुलिस अधीक्षक मोती उर्र रहमान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम व एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के निर्देशन मे थाना प्रभारी बिजुरी विकास सिह के नेतृत्व मे उक्त आवेदनो पर गंभीरता से कार्यवाही की गयी। थाना बिजुरी पुलिस टीम द्वारा तकनीकी सहायता एवं सतत प्रयासों से कुल 55 गुम मोबाइल फोन सफलतापूर्वक खोजे गये। आवश्यक सत्यापन एवं वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत उक्त आवेदको को मोबाइल फोन सुपुर्द किये गये है। अपने मोबाइलों पुनः प्राप्त होने पर फरियादियो द्वारा थाना बिजुरी पुलिस एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक विकास सिंह, उनि मानिम टोप्पो, आर प्रभाकर त्रिपाठी, रवि सिह, सुनील यादव, आनंद कुमार, रामनिवास गुर्जर, अभिषेक शर्मा की उल्लेखनीय भूमिका रही। पुलिस प्रशासन आमजन की सेवा सुरक्षा एवं उनकी समस्याओ के त्वरित समाधान हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।